एक दिन एक जीनोम

संदर्भ: हाल ही में नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) में जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार परिषद (ब्रिक) के स्थापना दिवस के अवसर पर 'वन डे वन जीनोम' पहल की औपचारिक शुरुआत की गई। इस पहल का उद्देश्य भारत की समृद्ध सूक्ष्मजीव विविधता का अध्ययन करना और इसे कृषि, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण प्रबंधन में उपयोगी बनाना है।

एक दिन एक जीनोम का विजन:

- **सूक्ष्मजीव विविधता पर ध्यान केंद्रित:** इस पहल का उद्देश्य भारत की सूक्ष्मजीव प्रजातियों और कृषि, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उनकी क्षमता को प्रदर्शित करना है।
- **जीनोमिक डेटा सृजन:** इसका प्राथमिक उद्देश्य जीवाणु जीनोम को अनुक्रमित करना और सूक्ष्मजीव विविधता का एक व्यापक डेटाबेस बनाना है।
- **संभावनाओं को उजागर करना:** सूक्ष्मजीव जीनोम को अनुक्रमित (sequencing) करके, यह पहल सूक्ष्मजीवों की महत्वपूर्ण भूमिकाओं और मानव स्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण को बेहतर बनाने में उनके अनुप्रयोगों को उजागर करेगी।

'एक दिन एक जीनोम' पहल की कार्यप्रणाली:

- **जीनोम अनुक्रमण:** यह पहल सूक्ष्मजीवों के जीनोम को अनुक्रमित करने पर केंद्रित है, ताकि उनके आनुवंशिक खाका, कार्यात्मक गुणों और कृषि, स्वास्थ्य और उद्योग में संभावित अनुप्रयोगों का पता लगाया जा सके।
- **सार्वजनिक रूप से सुलभ डेटा:** अनुक्रमण से प्राप्त जीनोमिक डेटा शोधकर्ताओं, उद्योगों और आम जनता के लिए स्वतंत्र रूप से उपलब्ध होगा, जिससे जैव प्रौद्योगिकी और पर्यावरण प्रबंधन में सहयोग और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।
- **विस्तृत डेटा प्रस्तुति:** एनोटेट बैक्टीरिया जीनोम को ग्राफिकल डाटा, इन्फोग्राफिक्स और जीनोम विवरण के साथ जारी किया जाएगा, जिससे डेटा वैज्ञानिकों और आम जनता दोनों के लिए सुलभ और समझने योग्य हो जाएगा।
- **सहयोग और सहभागिता:** यह पहल शोधकर्ताओं, जैव प्रौद्योगिकी कंपनियों, नीति निर्माताओं और आम जनता के बीच सहयोग को बढ़ावा देती है ताकि समाज को लाभ पहुंचाने वाली चर्चाओं और नवाचारों को बढ़ावा दिया जा सके।

पहल का नेतृत्व:

- **जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार परिषद (ब्रिक):** ब्रिक इस पहल का नेतृत्व करता है और जैव प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता के समन्वय से कार्यान्वयन सुनिश्चित करता है।
- **राष्ट्रीय बायोमेडिकल जीनोमिक्स संस्थान (एनआईबीएमजी):** एनआईबीएमजी सूक्ष्मजीव जीनोमिक्स के तकनीकी पहलुओं में मार्गदर्शन और जीनोम अनुक्रमण एवं डेटा विश्लेषण में सहायता प्रदान करता है।

जीनोम क्या है?

- जीनोम किसी जीव के डीएनए में निहित आनुवंशिक जानकारी का पूरा सेट है, जिसमें उसके सभी जीन और गैर-कोडिंग क्षेत्र शामिल हैं। यह अनिवार्य रूप से जीवन का आधार है, जो किसी जीव के विकास, वृद्धि और कार्य को निर्देशित करता है।
- **भाग:**
  - » **डीएनए (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड):** वह अणु जिसमें आनुवंशिक जानकारी होती है।
  - » **जीन:** आनुवंशिकता की इकाइयाँ जो प्रोटीन या कार्यात्मक आरएनए अणुओं को एनकोड करती हैं।
  - » **गैर-कोडिंग क्षेत्र:** नियामक तत्व, दोहरावदार अनुक्रम और अन्य कार्यात्मक क्षेत्र।
  - » **गुणसूत्र:** डीएनए और प्रोटीन से बनी धागे जैसी संरचनाएँ।

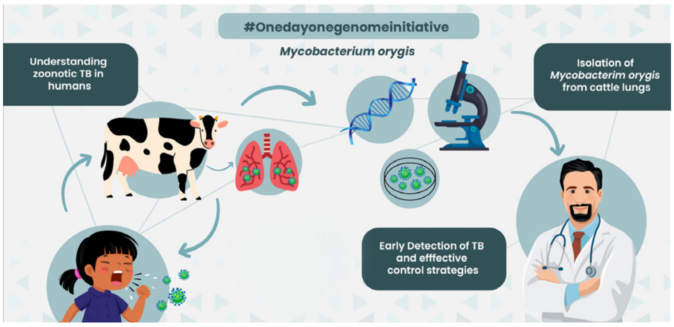

पारिस्थितिकी तंत्र, कृषि और मानव स्वास्थ्य में सूक्ष्मजीवों का महत्व:

- **पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिकाएँ:**
  - » सूक्ष्मजीव जैव-रासायनिक चक्र, मृदा निर्माण, नाइट्रोजन स्थिरीकरण और अपशिष्ट अपघटन को संचालित करते हैं।
  - » वे विषैले प्रदूषकों को विघटित करके और जल को शुद्ध करके प्रदूषण नियंत्रण में मदद करते हैं।
- **कृषि में:**
  - » सूक्ष्मजीव मृदा उर्वरता, नाइट्रोजन स्थिरीकरण और पौधों की वृद्धि को बढ़ाते हैं।
  - » वे कीटों और बीमारियों को नियंत्रित करते हैं, कीटनाशकों के उपयोग को कम करते हैं और पौधों को पर्यावरणीय तनाव से निपटने में मदद करते हैं।
- **मानव स्वास्थ्य:**

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

ध्येयIAS®
most trusted since 2003
DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims
21 November 2024

» आंत के सूक्ष्मजीव पाचन, विटामिन संश्लेषण और प्रतिरक्षा में सहायता करते हैं।
» संतुलित माइक्रोबायोम प्रतिरक्षा प्रणाली को समर्थन देता है और संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है।

COP29 में वैश्विक ऊर्जा दक्षता गठबंधन का शुभारंभ

सन्दर्भ: हाल ही में अजरबैजान के बाकू में आयोजित COP29 सम्मेलन में, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने वैश्विक ऊर्जा दक्षता गठबंधन का अनावरण किया। यह गठबंधन 2030 तक वैश्विक ऊर्जा दक्षता दरों को दोगुना करने और कार्बन उत्सर्जन को घटाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल है। यह पहल COP28 में 'यूएई सर्वसम्मति' के तहत की गई यूएई की पूर्व प्रतिबद्धताओं पर आधारित है, जहां राष्ट्रों, संगठनों और व्यवसायों ने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने का संकल्प लिया था।

मुख्य उद्देश्य:

- 2030 तक वैश्विक ऊर्जा दक्षता दर को दोगुना करना।
- कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना।
- प्राकृतिक संसाधनों का न्यूनतम उपभोग सुनिश्चित करना।

लक्ष्य और विजन:

- ज्ञान साझाकरण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना।
- सर्वोत्तम पद्धतियों की स्थापना करना तथा अफ्रीका जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना, जोकि तकनीकी और वित्तीय समाधानों में बाधाओं का सामना करते हैं।
- सतत प्रगति को बढ़ावा देने के लिए ऊर्जा दक्षता परियोजनाओं में निवेश को प्रोत्साहित करना।

सामरिक महत्व:

- COP29 में गठबंधन का शुभारंभ जलवायु परिवर्तन से निपटने और वैश्विक स्थिरता लक्ष्यों को प्राप्त करने में ऊर्जा दक्षता के बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है।
- यूएई का नेतृत्व वैश्विक जलवायु कार्रवाई में अग्रणी स्थान पर अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है और टिकाऊ ऊर्जा भविष्य के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा दे रहा है।

COP29 के बारे में:

- संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP29) वर्तमान में 11 से 22 नवंबर, 2024 तक बाकू, अजरबैजान में हो रहा है। इस प्रमुख वैश्विक जलवायु कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्तार अब्बास नकवी कर रहे हैं, जबकि आयोजन समिति के अध्यक्ष समीर नूरियेव हैं।

बैठक का मुख्य एजेंडा:

- **जलवायु वित्त:** इस बैठक का मुख्य फोकस इस बात पर है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने में विकासशील देशों को कैसे सहायता प्रदान की जाए और जलवायु कार्य योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए वित्तीय संसाधन कैसे सुनिश्चित किए जाएं।
- **ऊर्जा परिवर्तन:** एक अन्य महत्वपूर्ण विषय जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर परिवर्तन है, जिसका उद्देश्य तेल, गैस और कोयले पर वैश्विक निर्भरता को कम करना है।
- **न्यायपूर्ण परिवर्तन:** एक मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन न्यायपूर्ण परिवर्तन पर चर्चा करेगा, जिसमें यह बताया जाएगा कि जीवाश्म ईंधन पर निर्भर श्रमिकों और समुदायों के लिए उचित व्यवहार सुनिश्चित करते हुए न्यून कार्बन अर्थव्यवस्था में बदलाव को कैसे प्रबंधित किया जाए। इसके अतिरिक्त, संयुक्त अरब अमीरात के न्यायपूर्ण परिवर्तन कार्यक्रम पर भी चर्चा की जाएगी।

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी):

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है, जिसे वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की सांद्रता को स्थिर करके जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तैयार किया गया है।
- **मुख्य विवरण:** प्रारूपित: 9 मई, 1992
- **हस्ताक्षर:** 4-14 जून, 1992 को ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीईडी) में।
- **उद्देश्य (अनुच्छेद 2):**
  » इस संधि का उद्देश्य वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों (जैसे कार्बन डाइऑक्साइड) की मात्रा को उस स्तर तक नियंत्रित करना है, ताकि वे जलवायु प्रणाली में ऐसे बदलाव न लाएं, जोकि मनुष्यों और पर्यावरण के लिए हानिकारक हों।
  » इस स्थिरीकरण लक्ष्य को निम्नलिखित तरीकों से प्राप्त किया

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

जाएगा:

- ➢ सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।
- ➢ यह सुनिश्चित करना कि खाद्य उत्पादन को कोई खतरा न हो।
- ➢ बदलती जलवायु के अनुरूप स्वाभाविक रूप से अनुकूलित होने की दक्षता।

तीस्ता घाटी में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOF) संकट

सन्दर्भ: तीस्ता घाटी में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOF) के कारण आपदा का गंभीर खतरा उत्पन्न हुआ है। इस संदर्भ में, सामुदायिक संगठनों सेव द हिल्स और दार्जिलिंग हिमालय इनिशिएटिव (DHI) ने राज्य और केंद्र सरकारों को तत्काल चेतावनी जारी की है। इन संगठनों का मानना है कि अगले मानसून के दौरान और अधिक विनाशकारी घटनाओं को रोकने के लिए त्वरित और प्रभावी उपायों की आवश्यकता है।

पृष्ठभूमि:

- तीस्ता घाटी 2023 में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOF) से बुरी तरह प्रभावित हुई। इस आपदा में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई, हजारों लोग विस्थापित हुए और व्यापक पर्यावरणीय क्षति हुई, जिससे कृषि और जैव विविधता पर नकारात्मक असर पड़ा। इसके अतिरिक्त, महत्वपूर्ण सैन्य प्रतिष्ठानों को भी नुकसान हुआ, जिससे सुरक्षा संबंधी चिंताएँ बढ़ गईं।

मुख्य चिंताएँ:

- **समन्वय का अभाव:** दोनों राज्य सरकारें (सिक्किम और पश्चिम बंगाल) स्वतंत्र रूप से काम कर रही हैं, जिससे तीस्ता नदी बेसिन की परस्पर संबद्ध प्रकृति की उपेक्षा हो रही है।
- **एकीकृत आपदा प्रबंधन का अभाव:** बिना एकीकृत दृष्टिकोण के पुनर्प्राप्ति और तैयारी के प्रयास अपर्याप्त रहते हैं, जिसके कारण समुदाय असुरक्षित हो जाते हैं।
- **तीस्ता नदी से आवर्ती खतरा:** हर मानसून में नदी से खतरा उत्पन्न होता है, नदी का अतिप्रवाह न केवल जीवन और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि कृषि भूमि और जल आपूर्ति प्रणालियों को भी प्रभावित करता है।

कार्रवाई के लिए सिफारिशें:

- **संयुक्त समिति का गठन:** आपदा तैयारी और पुनर्प्राप्ति के समन्वय के लिए सिक्किम-पश्चिम बंगाल संयुक्त समिति की स्थापना की जाए।
- **विशेषज्ञ कार्य बल:** एक व्यापक कार्य योजना विकसित करने, कमजोरियों का आकलन करने और पुनर्स्थापना रणनीतियों का प्रस्ताव करने के लिए एक कार्य बल का गठन करना।
- **संरचनात्मक शमन:** बाढ़ प्रबंधन के लिए तटबंधों को सुदृढ़ करना, बाढ़ अवरोधकों का निर्माण करना तथा तीस्ता नदी की जलधारा को पुनः प्रवाहित करना।
- **गैर-संरचनात्मक रणनीतियाँ:** बाढ़ चेतावनी प्रणाली स्थापित करना, संचार में सुधार करना और तैयारी सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाना।
- **भूमि-उपयोग नियोजन:** उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करना, निकासी मार्ग स्थापित करना तथा जोखिम वाले समुदायों के लिए सुरक्षित क्षेत्र बनाना।
- **वनरोपण कार्यक्रम:** पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने, मृदा क्षरण को रोकने और भूस्खलन के जोखिम को कम करने के लिए वृक्षारोपण पहल की शुरुआत की जाए।

ग्लेशियल झील विस्फोट बाढ़ के बारे में:

- ग्लेशियल झील विस्फोट बाढ़ (GLOF) एक प्रकार की बाढ़ है, जो तब उत्पन्न होती है जब किसी ग्लेशियल झील का प्राकृतिक बांध टूट जाता है, जिससे झील में संग्रहित पानी अचानक बहकर आस-पास के क्षेत्रों में बाढ़ का कारण बनता है। यह घटना सामान्यतः कटाव, भारी वर्षा, भूकंप या हिमस्खलन के परिणामस्वरूप होती है।
- उत्तराखंड में कोल्हापुर क्षेत्र में GLOF की घटना देखी गई थी, जिसमें केदारनाथ में अचानक बाढ़ आ गई और हजारों लोग मारे गए।
- दक्षिण ल्होनक झील GLOF के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है, क्योंकि इसका विस्तार बर्फ पिघलने से हो रहा है और 2011 के भूकंप ने इस क्षेत्र में जोखिम को बढ़ा दिया है। वैज्ञानिकों ने पहले ही इसके संभावित विस्फोट का चेतावनी दी है।

तीस्ता घाटी के बारे में:

- तीस्ता घाटी पारिस्थितिकी, आर्थिक, रणनीतिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और सामाजिक दृष्टिकोण से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह लाल पांडा और हिम तेंदुए जैसी प्रजातियों का घर होने के कारण एक जैव विविधता हॉटस्पॉट है।
- तीस्ता नदी सिंचाई, पेयजल और जलविद्युत शक्ति की आपूर्ति करती है। आर्थिक दृष्टि से यह कृषि, जलविद्युत और पर्यटन को बढ़ावा देती है।
- रणनीतिक रूप से, यह भारत को नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से जोड़ती है, जिससे रक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण बनती है। सांस्कृतिक दृष्टिकोण से, यह विविध जातीय समूहों और ऐतिहासिक स्थलों का स्थल है।
- पर्यावरणीय दृष्टि से, यह कार्बन पृथक्करण, जल सुरक्षा और मृदा संरक्षण में योगदान करती है। यह घाटी स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका, विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का स्रोत है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

वस्त्र निर्माण उद्योग के लिए विजन नेक्स्ट कार्यक्रम

- केंद्र सरकार ने भारत के कपड़ा विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने और इसकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए विजन नेक्स्ट कार्यक्रम शुरू किया है। वर्तमान में इस क्षेत्र का मूल्य 176 बिलियन डॉलर है और 2030 तक इसके 350 बिलियन डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है।
- राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित समीक्षा बैठक में भारत के कपड़ा उद्योग में तमिलनाडु की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। राज्य के योगदान और सरकार की पहलों से इस क्षेत्र के विस्तार में तेजी आने की उम्मीद है।
- वर्तमान में, कपड़ा क्षेत्र में 4.6 करोड़ लोग कार्यरत हैं और 2030 तक यह संख्या 6 करोड़ तक पहुँचने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक टेक्सटाइल पार्क के निर्माण के लिए धन आवंटित किया गया है, जिसका उद्देश्य उत्पादन को बढ़ावा देना, नवाचार को बढ़ावा देना और रोजगार के अवसर पैदा करना है।
- विजन नेक्स्ट पहल का लक्ष्य भारतीय वस्त्र उद्योग में परिवर्तन लाना है, जिससे 2030 तक देश इस क्षेत्र में वैश्विक रूप से अग्रणी बन जाए।

कोल इंडिया लिमिटेड को सीएसआर उत्कृष्टता के लिए ग्रीन वर्ल्ड अवार्ड मिला

- हाल ही में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), जो कोयला मंत्रालय के अधीन कार्यरत है, को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के क्षेत्र में प्रतिष्ठित ग्रीन वर्ल्ड पर्यावरण पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। इसके साथ ही, इसे ग्रीन वर्ल्ड एम्बेसडर के रूप में भी नामित किया गया है।

- यह सम्मान सीआईएल द्वारा थैलेसीमिया बाल विकास में किए गए अनुकरणीय कार्य को सम्मानित करता है, जिसके तहत अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बीएमटी) के माध्यम से 600 से अधिक थैलेसीमिया रोगियों को स्थायी उपचार प्रदान किया गया है।
- सीआईएल ने इस प्रकार के कार्यक्रम को अपनाने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम बनने का गौरव प्राप्त किया। 2017 में शुरू की गई इस पहल के अंतर्गत भारत के 17 प्रमुख अस्पतालों के सहयोग से इस योजना के तहत 10 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। यह पहल सीआईएल की सीएसआर प्रयासों के तहत स्वास्थ्य सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।
- सीआईएल, जो भारत का 80% से अधिक कोयला उत्पादन करता है, पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसने खनन-मुक्त क्षेत्रों में पुनः वनरोपण, इको-पार्कों का निर्माण और ग्रामीण समुदायों को लाभ पहुँचाने वाले जल संसाधन प्रबंधन जैसी पहलें लागू की हैं।

संयुक्त विमोचन 2024

- भारतीय सेना ने 18-19 नवंबर, 2024 को अहमदाबाद और पोरबंदर, गुजरात में बहुपक्षीय वार्षिक संयुक्त मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) अभ्यास 'संयुक्त विमोचन 2024' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। दक्षिणी कमान के कोणार्क कोर के नेतृत्व में आयोजित इस अभ्यास में भारत की आपदा प्रतिक्रिया क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया, और अंतर-एजेंसी समन्वय पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

- कार्यक्रम की शुरुआत गुजरात के तटीय क्षेत्र में चक्रवात परिदृश्य का अनुकरण करते हुए टेबलटॉप अभ्यास (टीटीएक्स) के साथ हुई, जिसमें त्वरित आपदा प्रबंधन के लिए अंतर-एजेंसी सहयोग पर जोर दिया गया।
- इस अभ्यास में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जीएसडीएमए), भारतीय सशस्त्र बलों और नौ मित्र देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- पोरबंदर में बहु-एजेंसी क्षमता प्रदर्शन हुआ, जहाँ प्रतिभागियों ने बचाव अभियान, हताहतों को निकालने और पुनर्वास रणनीतियों का अभ्यास किया। अभ्यास में भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना, तटरक्षक बल और आपदा प्रतिक्रिया एजेंसियों के सहयोग पर प्रकाश डाला गया।
- इस दौरान आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत एक औद्योगिक प्रदर्शन में स्वदेशी आपदा प्रबंधन तकनीक का प्रदर्शन किया गया। यह अभ्यास वैश्विक मानवीय प्रयासों और आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस आयोजन ने आपदा प्रबंधन और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में भारत के

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

नेतृत्व को सशक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी की गुयाना की ऐतिहासिक यात्रा

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी 56 वर्षों में गुयाना की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। जॉर्जटाउन हवाई अड्डे पर गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली ने उनका बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया।
- इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ग्रेनेडा के प्रधानमंत्री डिकन मिशेल के साथ दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। शिखर सम्मेलन में ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, कृषि, स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत और कैरिकॉम देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

- भारत और गुयाना के बीच दीर्घकालिक विकास साझेदारी है। भारत की ओर से हाल ही में किए गए योगदानों में दो भस 228 विमान, एक समुद्री नौका, 30,000 स्वदेशी परिवारों के लिए सौर प्रकाश व्यवस्था और ITEC कार्यक्रम के तहत 800 गुयाना के पेशेवरों को प्रशिक्षण प्रदान करना शामिल है।

गुयाना के बारे में:

- दक्षिण अमेरिका के उत्तरी छोर पर स्थित गुयाना की सीमा वेनेजुएला, ब्राजील और सूरीनाम से लगती है तथा इसकी समुद्री सीमा बारबाडोस और त्रिनिदाद और टोबैगो से लगती है।
- इसकी राजधानी जॉर्जटाउन है। गुयाना अपने सबसे ऊंचे स्थान माउंट रोराइमा और कैयेटूर फॉल्स के लिए जाना जाता है, जोकि नियाग्रा फॉल्स से पांच गुना ऊंचे हैं। एस्सेकिबो नदी देश की सबसे बड़ी नदी है।

गुयाना में भारतीय मूल के लगभग 3,20,000 लोग रहते हैं, जो दोनों देशों के बीच मजबूत सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com